NEWS CLIPPING: 13.01.2018

PIONEER

YMCA, NITTTR signs MoU to improve education

PNS ■ CHANDIGARH

In a bid to improve the quality of technical education and training, YMCA University of Science and Technology at Faridabad has signed a memorandum of understanding (MoU) with National Institute of Technical Teachers Training and Research (NITTTR) at Chandigarh.

The MoU was signed by Prof Dinesh Kumar, Vice-Chancellor of YMCA University of Science and Technology and Prof. Shyam Sundar Pattnaik, Director NITTTRh.

The collaboration will support the YMCA University's vision for enriching the quality of technical education and training

The MoU is valid for three years which can further be renewed with the consent of both the Institutions. The collaboration will support the YMCA University's vision for enriching the quality of technical education and training, said Prof Dinesh Kumar.

He said that NITTTR is one of the centrally-funded institutions of higher and technical education in the country and YMCA University is keen to establish an environment of excellence in technical education through this collaborative initiative.

NEWS CLIPPING: 13.01.2018

HINDUSTAN TIMES

YMCA varsity inks MoU with NITTTR

CHANDIGARH: The YMCA university of science and technology, Faridabad, has signed a memorandum of understanding (MoU) with National Institute of Technical Teachers Training and Research (NITTTR), Chandigarh, an official release said on Friday. The collaboration will support the YMCA university's vision for enriching the quality of technical education and training, the release said. **HTC**

DAILY POST

YMCA University signs MoU

CHANDIGARH: YMCA University of Science and Technology, Faridabad on Friday signed a Memorandum of Understanding (MoU) with National Institute of Technical Teachers Training and Research (NITTTR), Chandigarh. The collaboration will support the YMCA University's vision for enriching the quality of technical education and training. A spokesman of the University said that the MoU was signed by Prof Dinesh Kumar, Vice-Chancellor of YMCA University of Science and Technology, Faridabad and Prof. Shyam Sundar Pattnaik, Director, NITTTR, Chandigarh. The MoU is valid for three years which can further be renewed with the consent of both the Institutions. *DP*

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 13.01.2018

DAINIK JAGRAN

वाईएमसीए का एनआइटीटीटीआर से समझौता

अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की सार्थक पहल

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अपने जारी प्रयासों के अंतर्गत राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण तथा अनुसंधान (एनआइटीटीटीआर) चंडीगढ़ के साथ समझौता किया है। इस समझौते से विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा तथा प्रशिक्षण में गुणवत्ता के अपने लक्ष्य में सहयोग मिलेगा।

समझौता ज्ञापन पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार तथा एनआइटीटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो.श्याम सुंदर पटनायक ने हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों के बीच समझौते की अवधि तीन वर्षों की रहेगी और आपसी सहमति से अवधि को बढ़ाया जा सकेगा।

एनआइटीटीटीआरके निदेशक प्रो.श्याम सुंदर पटनायक ने कहा कि समझौता में दोनों संस्थानों के परस्पर हितों की परिकल्पना की गई है, जो दोनों संस्थानों के उच्चतर शिक्षा में विशेषज्ञता के क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को मजबूत करेगा तथा अनुसंधानों को बढ़ावा मिलेगा। वाइएमसीए विश्वविद्यालय के पीएचडी शोधार्थियों को अनुसंधान सुविधाएं प्रदान की जाएंगी तथा संस्थान पीएचडी शोधार्थियों के कोर्स वर्क को करवाने में अनुसंधान केंद्र की भूमिका निभाएगा। संस्थान इंजीनियरिंग, प्रबंधन तथा अन्य तकनीकी कर्मचारियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करेगा। समझौते के प्रावधानों के अनुसार दोनों संस्थान परस्पर अकादमिक तथा अनुसंधान गतिविधियों के सहयोग के लिए विज्ञान तथा तकनीकी जानकारी साझा करने के लिए सहमत हुए है, जिसमें स्नातकोत्तर तथा पीएचडी विद्यार्थियों को अकादमिक सहयोग, संकाय सदस्यों के लिए शार्ट टर्म कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन तथा विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रबंधन के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों के लिए आइआइएम स्तर के प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ.संजय कुमार शर्मा, अधिष्ठाता प्रो.तिलक राज, प्रो.विक्रम सिंह, कंप्यूटर विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो.कोमल भाटिया तथा विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

> एनआइटीटीटीआर, चंडीगढ़ उच्चतर तथा तकनीकी शिक्षा में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है और इस समझौते के तहत वाईएमसीए विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता का वातावरण सृजित करने का इच्छुक है। यह समझौता कई पहलुओं के अनुरूप अकादमिक तथा औद्योगिक अंतराल को कम करने में भी मददगार होगा। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को मौजूदा औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करना है तथा इंटरनेट आफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, बिग डाटा एनालिसिस तथा वर्चुअल रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में कौशल विकास करना है। समझौते से परस्पर सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय के विकास होगा और विश्वविद्यालय मौजूदा औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनेगा।
>
> **कुलपति प्रो.दिनेश कुमार**

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए जमीन देखी

जागरण संवाददाता, बल्लभगढ़ : वाईएमसीए विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय विस्तार के लिए सरकार को 60 से लेकर 70 एकड़ पंचायती जमीन की जरूरत है। विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए शुक्रवार को वाईएमसीए के उपकुलपति दिनेश गर्ग और रजिस्ट्रार संजय शर्मा की टीम गांव सुनपेड़ और दूधौला की पंचायती जमीन देखने पहुंचे। दोनों गांवों की जमीन देखने के बाद अब पंचायत प्रस्ताव पारित कराकर देंगी। जिस गांव की जमीन विश्वविद्यालय के अधिकारियों को बेहतर कनेक्टिविटी के हिसाब से दिखाई देगी, उसी गांव की जमीन का प्रस्ताव मंजूरी के लिए सरकार के पास भेज दिया जाएगा। अगर ऐसा होता है तो पृथला और पलवल शिक्षा के बड़े हब के रूप में उभरेगा। गांव दूधौला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का कौशल विकास विश्वविद्यालय बन रहा है। मोहना में स्नातक कॉलेज बनाया जा रहा है। फतेहपुर बिल्लौच और सिकरौना में आइटीआइ बनाई जा रही हैं।

वाइएमसीए के कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने बताया कि जमीन के बारे में फैसला होते ही विश्वविद्यालय परिसर का भी निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। उम्मीद है कि ये जमीन का फैसला जल्द हो जाएगा। इससे क्षेत्र के युवाओं को अच्छी और तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए बेहतर मौके मिलेंगे। इस अवसर पर सरपंच राजेश रावत एडवोकेट, सुंदर पहलवान सरपंच, पप्पू पूर्व सरपंच व दोनों गांवों के प्रमुख लोग मौजूद थे।

NAVBHARAT TIMES

अनुसंधान को देंगे बढ़ावा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : वाईएमसीए यूनिवर्सिटी ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण तथा अनुसंधान, चंडीगढ़ के साथ समझौता किया है। इस समझौते से विश्वविद्यालय को तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण में गुणवत्ता बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। पत्र पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने हस्ताक्षर किए।

NEWS CLIPPING: 13.01.2018

DAINIK BHASKAR

उच्चतर शिक्षा में विशेषज्ञता के क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेंगे: प्रो. पटनायक

वाईएमसीए का एनआईटीटीटीआर के साथ समझौता

फरीदाबाद|वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण व अनुसंधान (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ के साथ समझौता किया है। समझौता ज्ञापन पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों के बीच समझौते की अवधि तीन वर्षों की रहेगी। आपसी सहमति से अवधि को बढ़ाया जा सकेगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि एनआईटीटीटीआर उच्चतर व तकनीकी शिक्षा में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। यह समझौता कई पहलुओं के अनुरूप अकादमिक व औद्योगिक अंतराल को कम करने में भी मददगार होगा। इस माध्यम से विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों को मौजूदा औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करना है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, बिग डाटा एनालिसिस व वर्चुअल रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में कौशल विकास करना है। समझौते से परस्पर सहभागिता के माध्यम से विश्वविद्यालय का विकास होगा। विश्वविद्यालय मौजूदा औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनेगा। समझौते के प्रावधानों के मुताबिक दोनों संस्थान परस्पर अकादमिक व अनुसंधान गतिविधियों के सहयोग के लिए विज्ञान एवं तकनीकी जानकारी सांझा करने के लिए सहमत हुए हैं। इसमें स्नातकोत्तर व पीएचडी विद्यार्थियों को अकादमिक सहयोग, संकाय सदस्यों के लिए शॉर्ट टर्म कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन तथा विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने कहा कि उच्चतर शिक्षा में विशेषज्ञता के क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को मजबूत करेगा। अनुसंधानों को बढ़ावा मिलेगा।

NEWS CLIPPING: 13.01.2018

HINDUSTAN

वाईएमसीए का रिसर्च के लिए करार

कार्यक्रम

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अनुसंधान और आधुनिक तकनिक को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण तथा अनुसंधान (एनआईटीटीटीआर) के साथ तीन वर्षों के लिए समझौता किया गया है।

इसके बाद अकादमिक तथा अनुसंधान गतिविधियों में सहयोग मिलेगा। वहीं, स्नातकोत्तर तथा पीएचडी विद्यार्थियों को अकादमिक सहयोग, संकाय सदस्यों के लिए शार्ट टर्म कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन तथा विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया

समझौता

- दोनों संस्थान के बीच तीन वर्ष का किया गया है अनुबंध
- ऐसा होने से अकादमिक तथा उद्योगों की दूरियां कम होंगी

जाएगा। समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और एनआईटीटीटीआर (चंडीगढ़) निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने हस्ताक्षर किए।

उन्होंने बताया कि यह समझौता कई पहलुओं के अनुरूप अकादमिक तथा उद्योगों की दूरियां कम होगी। इसके माध्यम से विश्वविद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों तथा संकाय सदस्यों को औद्योगिक जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें इंटरनेट की चीजे, आर्टिफिशियल (कृत्रिम) इंटेलीजेंस, बिग डाटा एनालिसिस तथा वर्चुअल रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में कौशल विकास कराया जाएगा।

एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने बताया कि इस समझौते से दोनों संस्थानों को लाभ मिलेगा। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के पीएचडी शोधार्थियों को अनुसंधान सुविधाएं भी प्रदान की जाएगी। वहीं, संस्थान पीएचडी शोधार्थियों के पाठ्यक्रम कार्य को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा। संस्थान इंजीनियरिंग, प्रबंधन तथा अन्य तकनीकी कर्मचारियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, प्रो. तिलक राज, प्रो. विक्रम सिंह, विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर विज्ञान प्रो. कोमल भाटिया आदि मौजूद थे।

विश्वविद्यालय बनाने की कवायद

बल्लभगढ़ | हमारे संवाददाता

वाईएमसीए विश्वविद्यालय बनाने को लेकर प्रयास तेज हो गए हैं। शुक्रवार को पृथला विधायक टेकचंद शर्मा ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय के उपकुलपति दिनेश गर्ग व रजिस्ट्रार संजय शर्मा के साथ गांव दुधौला एवं सुनपेड़ जाकर ग्राम पंचायत की प्रस्तावित स्थानों का दौरा किया। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के लिए 60 से 70 एकड़ जमीन की आवश्यकता है।

दुधौला गांव के लोगों ने बताया कि ग्राम पंचायत के पास यूनिवर्सिटी के लिए पर्याप्त भूमि है, उन्हें जितनी आवश्यकता है, उसके अनुरूप ग्राम

दौरा

- विधायक के साथ उपकुलपति ने गांवों का दौरा किया
- विश्वविद्यालय के लिए 60 से 70 एकड़ जमीन की आवश्यकता है

पंचायत जमीन देने को तैयार है और यह विश्वविद्यालय उन्हीं के गांव में बनना चाहिए। इससे पूर्व रैनीवेल परियोजना के लिए भी इसी गांव की पंचायत ने छह एकड़ जमीन भी दी थी। विधायक टेकचंद शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में पृथला क्षेत्र फरीदाबाद में शिक्षा का हब बनकर उभरेगा, यहां कौशल विश्वविद्यालय के साथ-साथ वाईएमसीए यूनिवर्सिटी बनने से जहां गांवों के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए दूर-दराज नहीं जाना होगा वहीं यहां उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

इस दौरे के बाद विश्वविद्यालय के उपकुलपति दिनेश गर्ग व रजिस्ट्रार संजय शर्मा ने विधायक टेकचंद शर्मा को आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय के लिए जो स्थान दिखाए गए हैं, वह श्रेष्ठ है जल्द ही अन्य संबंधित अधिकारियों से समीक्षा कर शीघ्र ही जगह सुनिश्चित करके सरकार को अवगत करवा दिया जाएगा।

YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 13.01.2018

AMAR UJALA

शिक्षा का हब बनकर उभरेगा पृथला क्षेत्र: टेकचंद

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। पृथला क्षेत्र के गांव दुधौला में कौशल विश्वविद्यालय बनाने की कवायद शुरु हो गई है। वहीं, इस क्षेत्र में वाईएमसीए विश्वविद्यालय का कैंपस बनाने के प्रयास भी तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक टेकचंद शर्मा ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय के उपकुलपति दिनेश कुमार के साथ दुधौला एवं सुनपेड़ गांव का दौरा किया। इस मौके पर रजिस्ट्रार संजय शर्मा भी मौजूद रहे।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के लिए 60 से 70 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। इस दौरान गांव दुधौला के लोगों ने बताया कि ग्राम पंचायत के पास विश्वविद्यालय के लिए पर्याप्त भूमि है, उन्हें जितनी आवश्यकता है उसके अनुरुप ग्राम पंचायत जमीन देने को तैयार है और यह विश्वविद्यालय उन्हीं के गांव में बनना चाहिए। इससे पूर्व रेनीवेल परियोजना के लिए भी इसी गांव की पंचायत ने 6 एकड़ जमीन भी दी थी। इस मौके पर विधायक टेकचंद शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में पृथला क्षेत्र शिक्षा का हब बनकर उभरेगा। यहां कौशल विश्वविद्यालय के साथ-साथ वाईएमसीए विश्वविद्यालय का कैंपस बनने से विद्यार्थियों को दूर-दराज नहीं जाना होगा। प्रोफेसर दिनेश कुमार व रजिस्ट्रार संजय शर्मा ने कहा कि जल्द ही अन्य संबंधित अधिकारियों से समीक्षा कर सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। आगामी बजट सत्र में विश्वविद्यालय के भवन का कार्य शुरू होने की उम्मीद है। इस अवसर पर डॉ. तेजपाल शर्मा, सरपंच राजेश रावत आदि थे।

विधायक टेकचंद ने कुलपति दिनेश के साथ गांव का दौरा करते हुए।

NEWS CLIPPING: 13.01.2018

DAINIK TRIBUNE

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के लिए कुलपति ने किया गांवों का दौरा

गांव दुधौला एवं सुनपेड़ में यूनिवर्सिटी के लिए जमीन देखी

बल्लभगढ़, 12 जनवरी (निस)

पृथला क्षेत्र के गांव दुधौला में कौशल विश्वविद्यालय बनाने की कवायद शुरू हो गई है। वहीं, इस क्षेत्र में वाईएमसीए विश्वविद्यालय बनाने को लेकर भी प्रयास तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक पं. टेकचंद शर्मा ने वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश गर्ग व विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार संजय शर्मा के साथ गांव दुधौला एवं सुनपेड़ में ग्राम पंचायत के प्रस्तावित स्थानों का दौरा किया। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए 60 से 70 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। इस दौरान गांव दुधौला के ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत के पास यूनिवर्सिटी के लिए पर्याप्त जमीन है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय के लिए जितनी आवश्यकता है, ग्राम पंचायत जमीन देने को तैयार है। इससे पूर्व रेनीवेल परियोजना के लिए भी इसी गांव की पंचायत ने 6 एकड़ जमीन दी थी। इस मौके पर विधायक टेकचंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सहयोग से पृथला क्षेत्र फरीदाबाद में शिक्षा का हब बनकर उभरेगा।

बल्लभगढ़ के वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए शुक्रवार को जमीन का निरीक्षण करते विधायक टेकचंद शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश गर्ग व रजिस्ट्रार संजय शर्मा। -निस

आज के इस दौरे के उपरांत विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश गर्ग व रजिस्ट्रार संजय शर्मा ने कहा कि जल्द ही अन्य संबंधित अधिकारियों से समीक्षा के बाद जगह सुनिश्चित कर सरकार को अवगत करवा दिया जाएगा और आगामी बजट सत्र में विश्वविद्यालय भवन का कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इस अवसर पर डा. तेजपाल शर्मा, सरपंच राजेश रावत एडवोकेट, सुन्दर पहलवान सरपंच व दोनों गांवों के गणमान्य लोग मौजूद थे।

दैनिक ट्रिब्यून Sat, 13 January 2018

epaper.dainiktribuneonline.com//c/25364056